an>

Title: Statement by the Prime Minister on the issue regarding reported use of objectionable language by a Union Minister

प्रधान मंत्री (श्री नरेन्द्र मोदी) : आदरणीय अध्यक्ष महोदया जी, पिछले कुछ समय से राज्य सभा में सदन नहीं चल पा रहा है। मैं लोक सभा के सभी सदस्यों का आभारी हूँ कि उन्होंने इस इश्यू की सेंसिटिविटी होने के बावजूद भी सदन को चलने दिया है। इस विवादित बयान के सम्बन्ध में संसद में मसला उठने से पहले जब मेरी पार्टी के सांसदों की मीटिंग हुई थी, उसमें मैंने बड़ी कठोरता के साथ ऐसे शब्दों का प्रयोग और ऐसी भाषा का प्रयोग न करने की हिदायत भी दी थी और अपनी नाराज़गी भी प्रकट की थी। कोई भी ऐसी चीजों को अप्रूव नहीं कर सकता है। बाद में मंत्री श्री ने माफी मांगी है। मंत्री श्री नयी हैं, उनके सामाजिक बैकग्राउंड को हम जानते हैं, वे गांव से हैं और उन्होंने क्षमा मांगी है। इस सदन में वरिष्ठ जनों का कर्त्तव्य होता है कि इतने बड़े सदन के सामने हमारा एक साथी जब क्षमा मांगता है तो हमें भी उदारता बरतनी चाहिए। मैं लोक सभा के सभी सदस्यों का आभारी हूँ कि उन्होंने सदन चलने दिया है। मैं इस बात पर, पूरे सदन का भी और हम सबका भी, सार्वजनिक जीवन में जो लोग हैं, उनका यह दायित्व मानता हूँ कि मर्यादाओं को हम सबको स्वीकार करना चाहिए और उन मर्यादाओं के अंदर रहते हुए ही, चाहे वह सदन के अंदर हो या बाहर, हमें बातें बोलनी चाहिए। उसमें कोई वाद-विवाद नहीं हो सकता है। मैं मानता हूँ कि जब मंत्री श्री ने क्षमा मांगी है और वे एक नयी मंत्री हैं तो सभी वरिष्ठ नेताओं को भी और अपने-अपने दल के जो लोग वहाँ बैठे हैं, उनको भी अनुरोध करना चाहिए और इस विषय को समाप्त करके देश हित में काम को आगे बढ़ाना चाहिए। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अब इसके बाद क्या हुआ? खड़गे जी, एक तो कोई नोटिस नहीं है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, कल भी आपके लोग बार-बार यह मांग कर रहे थे कि प्रधानमंत्री जवाब दें, ऐसी आपकी घोषणाएं थीं। आज प्रधानमंत्री जी ने इस बात को कह दिया है। मुझे लगता है अब इस विषय को छोड़ देना चाहिए।

***m02**

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) : महोदया, माननीय प्रधान मंत्री जी को भी मालूम हो जाए कि किस संदर्भ में यह कदम उठाया गया है और क्यों इस सदन में ऐसी घटना हुई है। उनके नोटिस में भी लाना जरुरी है क्योंकि वे सदन के नेता हैं। हम किसी व्यक्ति के विरुद्ध नहीं हैं, या किसी व्यक्ति का बैकग्राउंड देखकर एजीटेशन या माहौल तैयार नहीं कर रहे हैं। हमारा यह कहना है कि मंत्री लोग, जो बाहर स्टेटमेंट एक नहीं, दो नहीं और आपके पक्ष के अनेक नेता भी ऐसे स्टेटमेंट दे रहे हैं। सारे देश में एक ऐसा वातावरण तैयार हो रहा है जिससे समाज की एकता टूटने का खतरा है। इसीलिए क्या एक्शन वह लेना चाहते हैं और उन्हें किस ढंग से डायरेक्शन देकर सुधारना चाहते हैं। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सभी के नेता ऐसे स्टेटमेंट दे रहे हैं। ठीक है, अब आपकी बात पूरी हो गयी हैं। ऐसा कुछ नहीं होता है, अब उन्होंने कह दिया है, अब इसके बाद बात समाप्त हो जानी चाहिए।

...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: No, I am sorry.

...(*Interruptions*)

11.06 hrs

At this stage, Shri Mallikarjun Kharge and some other

hon. Members left the House.

...(*Interruptions*)

12.00 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE